nirmaan
empowering communities

2022

"ना बदल सकैं
हम खूद ऐ औरन के
हिसाब तै...
एक लिबास हमऊ ऐ दियौ है
भहवान नै अपने हिसाब तै।"

बिरज भासा की उन्नति और विकास

लाड़ली पतरिका

जुलाई ते सितम्बर

छापबे बारी
निरमान सुसाइटी

www.brajbhasha.org.in

सरकारी योजना

सिंचाई पाईप लाईन योजना

बोरिंग या कुआ पै ते खेत तक पानी पहुँचाबे काजैं, पानी की 20-25 प्रतिसत तक की बचत।

अनुदान

छोटे और सामान्य किसानन कूँ लगाई गई लागत कौ 60 प्रतिसत या जादा ते जादा रूपईया रासि 18000/- जो भी कम हो और अन्य किसानन कूँ लगाई गई लागत कौ 50 प्रतिसत या जादा ते जादा रूपईया रासि 15000/- जो भी कम हो इतनौ अनुदान दिये जयेगौ।

पात्रता

किसान के नाम पै खेती करबे लाक जमीन हो, और कुआ या बोरिंग पै मोटर पम्प, अंजन पंखा आदि सिंचाई कौ साधन हो। सामलात बोरिंग या कुआ के सब हिस्सेदार अलग-अलग पाईप लाईन पै अनुदान लै सकैं हैं। पर उन सबके नाम पै अलग-अलग जीमन हैनी चहियै। सामलाती सिंचाई साधन हैबे पै साझेदार किसानन नै एकई पाईप लाईन दूर तक ले जाबे पै सब किसानन कूँ अलग-अलग अनुदान दियौ जायेगौ।

आवेदन कि प्रक्रिया

किसान नजीक कोई ई-मित्र पै जाकैं आवेदन करा सकै है।

आवेदन करते टैम किसान के डिह्ंग ये कागजात हैने जरूरी है।

आधार कार्ड/जन आधार कार्ड

खेत की नकल/जमाबंदी 6 महिना ते जादा पुरानी ना हो।

काम की बात

आवेदन के बाद पाईप लाईन की खरीददारी कृषि विभाग की मंजूरी के बाद कृषि विभाग में पंजीकिरत निरमाता या उनके वितरक विकरेता ते ही करी जाए।

मंजूरी की जानकारी तुम्हारे मोबाईल नम्बर पै संदेस या तुम्हारे इलाके के अधिकारी के जरिये मिल सकेगी।

पाईप लाईन खरीदबे के बाद विभाग की तरफ ते सत्यापन करौ जायेगौ।

अनुदान की रासि किसान के सीधे बैंक खाते में जमा है जायेगी।

वैधता: हर साल

कहानी

एक नदी कनारे एक छोटो सो गांम हो। बामै बहुत पेड़-पौधे और जीन जिनाबर है। नदी में औरत लत्तान नै धौमैई और बच्चा खेले कुदे है। वहाँ खेतन में गेहूँ, मौमफरी और पिरी-पिरी सरसों उगाई जाबैई। बा गांम में एक छोटो सौ तालाब हो। जामै कमल खिले और साथई बतख और मेंढक रहबे। और या गांम में एक पुरानौ जंगल भी हो। गांम बारे माने कै या जंगल में उनकौ पुरानौ दोस्त है क्योंकि बू इन्नै खाबे कूं फल, घर बनाबे काजैं लकड़िया और बीमारी के टैम दवाई के तौर पै जड़ीबूटी दैवै हो।

जैसे-जैसे गांम में लोग बढ़बे लगे, उन्नै रहबे काजैं मकान और खेतन की जरूरत परबे लगी। लोगन ने जंगल के पेड़ काटकैं घर और खेत बना लिये। समझदार लोगन नै चेतावनी दई कै पेड़ मत काटौ पेड़ उनके दोस्त हैं। इन्नै काटेंगे तो गांम के लोग मुस्किल में पर जायेंगे। लेकिन कोई नै उनकी बात ना सुनी और जंगल धीरे-धीरे छोटो हैतौ चलेगो। अब या जंगल में एक पेड़ पीपर कौ और एक बरगद कौ बचे। कछु टैम बाद गांम में सुखौ परबे लगौ और तालाब सूखबे लग्गे। गांम के लोग दुखी हैबै लगे और कछु लोग कहबे लगे की लोगन नै जो पेड़ काटे हैं ई मुसीबत याई बजह ते आई है। गांम के लोग भगवान ते पिराथना करबे लगे और कहरे अब जैसैंई पानी बरसेगो हम लोग बहुत सारे पेड़ लगाबेंगे। फिर कछु दिन बाद गांम में बहुत जोर की बारिस हुई और गांम के सब लोगन नै बहुत पेड़ लगाये और गांम फिर ते हरौ भरौ हैगौ।

भजन

बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं

चन्दा सूरज के साथी भौत हुये जब गहन परौ कोई नहीं
उडजा रे हंसा स्वर्ग लोग दुनिया में अपना कोई
बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं

गंगा यमुना के साथी भौत हुये, भंवर परी जब कोई नहीं
उडजा रे हंसा स्वर्ग लोग दुनिया में अपना कोई
बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं

नरसी के साथी भौत हुये, भात भरौ जब कोई नहीं
उडजा रे हंसा स्वर्ग लोग दुनिया में अपना कोई
बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं

दिरोपति के साथी भौत हुये, जब चीर खिचौ कोई नहीं
उडजा रे हंसा स्वर्ग लोग दुनिया में अपना कोई
बाबा रे दुनिया मतलब की दुनिया में अपना कोई नहीं

समस्या और मुस्किल केवल उन लोगन के हिस्सा में आमै हैं, जिनमें उनते लड़बे और जीतबे की छमता हैबै है।

लोकगीत

दसरथ के चारों लालदसरथ के चारों लाल

दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें।

कौन ने पूजी गंगा जमुना ...2, कौन ने सरयू धार,

सो दिन-दिन नीके सो दिन-दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ....

केकई ने पूजी गंगा जमुना ...2,

सुमित्रा ने सरयू धार, कौसल्या ने सरयू धार

सो दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ....

कौन घड़िन में लक्ष्मन जन्मे ...2, कौन घड़िन भगवान

सो दिन-दिन नीके सो दिन-दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ....

आधी सी रात में लक्ष्मन जन्मे ....2, ब्रह्म घड़िन भगवान

सो दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ....

कौन के जाए चरत भरत हैं .....2, कौन के लक्ष्मन राम

सो दिन-दिन नीके सो दिन-दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ..

केकई के जाए चरत भरत है..2,

सुमित्रा के लक्ष्मन राम, कौसल्या के लक्ष्मन राम

सो दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ..

कौन के बज रहे ढोलक नगाड़े ----2, कौन के घुरत निशान

सो दिन-दिन नीके सो दिन-दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों .

केकई के बज रहे ढोलक नगाड़े ----2,

कौसल्या के घुरत निसान, सुमित्रा के घुरत निसान

सो दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ..

कौन के बँट रहे बूरे-बतासे ----2, कौन के बँट रहे पान,

सो दिन-दिन नीके सो दिन-दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ...

केकई के बँट रहे बूरे-बतासे ----2,

कौसल्या के बँट रहे, सुमित्रा के बँट रहे पान

सो दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें ॥दसरथ के चारों ...

कौन के बँट रहीं सुरख चुनरिया ----2, कौन के दखनी चीर,

सो दिन-दिन नीके सो दिन-दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ....

केकई के बँट रहीं सुरख चुनरिया ----2,

कौसल्या के बँट रहीं, सुमित्रा के दखनी चीर

सो दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ....

कौन के बँट रहीं दुलरी तिलरी----2, कौन के मोतिन थाल,

सो दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ....

केकई के बँट रहीं दुलरी तिलरी----2,

कौसल्या के बँटत, सुमित्रा के मोतिन थाल

सो दिन-दिन नीके सो सब दिन नीके लगें ॥ दसरथ के चारों ....

* कर्तव्य और करम जाके संग हैं,
तो समझो जीत बाके डिहुंग है।

* कल काजें सबते अच्छी तईयारी
यई है कि आज अच्छो करो।

सम्पर्क

निर्माण सोसायटी

सहारई रोड़, तहसील-डीग, जिला-भरतपुर, राजस्थान-321203

मोबाईल नं. 8696208682

बेबसाइटः www.brajbhasha.org.in

ई-मेलः rajasthanlanguages@nirmaan.org.in , info@nirmaan.org.in

बिरज भासा सब्दकोस डॉउनलोड करबे काजें दिये गये QRकोड ऐ स्कैन करौ।